साहित्यिक हिंदी

मॉडल प्रश्नपत्र-2021

समय- 3:15 hr **पूर्णांक-100**

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) हिन्दी का प्रथम उपन्यास कौन-सा है? 1

(i) भाग्यवती (ii) कंकाल

(iii) परीक्षा गुरु (iv) पुनर्नवा

(ख) निम्नलिखित में से 'जीवनी' रचना है– 1

(i) बसेरे से दूर (ii) अनामदास का पोथा

(iii) कलम का सिपाही (iv) कंकाल

(ग) 'पथ के साथी' किस विधा की रचना है? 1

(i) रेखाचित्र (ii) संस्मरण

(iii) नाटक (iv) उपन्यास

(घ) 'चिन्तामणि' के रचनाकार हैं– 1

(i) श्याम सुन्दर दास

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) प्रेमचन्द

(iv) गुलाब राय

(ङ) 'अपनी खबर' किस विधा की रचना है – 1

(i) जीवनी (ii) निबन्ध

(iii) नाटक (iv) आत्मकथा

प्रश्न 2. (क) 'लोकायतन' कृति के रचनाकार हैं– 1

(i) निराला (ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामधारी सिंह दिनकर (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(ख) 'शृंगार-लहरी' ग्रन्थ के रचयिता हैं – 1

(i) बिहारी (ii) केशवदास

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(ग) 'साकेत' के रचनाकार हैं– 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) कवि दिनकर

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(घ) प्रयोगवादी कवि हैं– 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) कवि निराला (iv) गिरिजा कुमार माथुर

(ङ) द्विवेदी युग की रचना नहीं है– 1

(i) प्रिय प्रवास (ii) वैदेही बनवास

(iii) यशोधरा (iv) पल्लव

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $2 \times 5 = 10$

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को

धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है। हमारे सामने समाज का जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा)। वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है?

(iv) लेखक ने गंद्यांश में किसका वर्णन किया है?

(v) शुद्ध केवल क्या है?

अथवा जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्त्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है।

(i) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है?

(ii) जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा गया है?

(iii) 'तादात्म्य' और 'अजर' का शब्दार्थ क्या है?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2×5=10**

नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल,
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।

ओह! वह मुख! पश्चिम के व्योम
बीच जब घिरते हों धन श्याम,
अरुण रवि मंडल उनको भेद
दिखाई देता हो छवि धाम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किसका चित्रण किया गया है?
(iv) श्रद्धा का मुख और केश कैसे शोभायमान हो रहे हैं?
(v) उपर्युक्त पद्यांश में कौन-सा रस है?

अथवा तू देखेगी जलद-तन को जा वहीं तदगता हो।
होंगे लोने नयन उनके ज्योति-उत्कीर्ण कारी।।
मुद्रा होगी वर वदन की मूर्ति-सी सौम्यता की।
सीधे-सीधे वचन उनके सिक्त होंगे सुधा से।।

नीले फूले कमल दल-सी गात की श्यामता है।
पीला प्यारा वसन कटि में पैन्हते हैं फबीला।।
छूटी काली अलक मुख की कान्ति को है बढ़ाती।
सद्वस्त्रों में नवल तन की फूटती-सी प्रभा है।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) पद्यांश में राधाजी ने 'तद्गता' किसे कहा है?
(iv) श्री कृष्ण के नेत्रों की आकृति कैसी होगी?
(v) श्रीकृष्ण के शरीर की श्यामलता कैसी है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं कृतित्व का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) पं० दीन दयाल उपाध्याय
(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न 6. 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी की समीक्षा (80 शब्दों में) कीजिए। 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चारित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखत प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दों में) दीजिए। 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए।

अथवा सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'युधिष्ठिर' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र चित्रण कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

ततः कदाचिद् द्वारपालः आगत्य महाराजं भोजं प्राह 'देव कौपीनावशेषो विद्वान् द्वारि वर्तते' इति। राजा 'प्रवेशय' इति प्राह। ततः प्रविष्ठः सः कविः भोजमालोक्य अद्य में दारिद्रयनाशों भविष्यतीति मत्वा तुष्टो हर्षाश्रूणि मुमोच। राजा तमालोक्य प्राह-'कवे किं रोदिषि'? इति। ततः कविराह-राजन्। आकर्णय मद्गृहस्थितिम्।

अथवा याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि! पत्यु : कामाय पति प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्त वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

अत्यन्त-सुख-सञ्चारा मध्याहने स्पर्शतः सुखाः।
दिवसाः सुभगादित्याः छायासलिलदुर्भगा।।

अथवा अभूत प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनंक
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजनइव ग्राम्यसदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 2+2=4

(i) भोजः कविं किम् अपृच्छत्?
(ii) कस्य दर्शनेन सर्व विदितं भवति?
(iii) कः कालः प्रचुरमन्मथः भवति।
(iv) कीदृशं मित्रं वर्जयेत्?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'अद्भुत' रस का स्थायी भाव और उदाहरण या परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'सन्देह' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'कुण्डलिया' अथवा 'हरिगीतिका' छन्द का मात्रा सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) पर्यावरण स्वच्छता हमारा कर्त्तव्य

(ii) मेरा प्रिय कवि

(iii) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(iv) जीवन में श्रम का महत्त्व

(v) भारतीय कृषि का पिछड़ापन एवं सुधार

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'नाविक' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) ना + विक (ii) नो + इक

(iii) नौ + इक (iv) नाव + इक

(ब) 'पेस् + ता' की सन्धि है– 1

(i) पेस्ता (ii) पेष्ता

(iii) पेष्टा (iv) पेश्ता

(स) 'तत् + टीका' की सन्धि है– 1

(i) तद्टीका (ii) तट्टीका

(iii) तत्टीका (iv) तष्टीका

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'घनश्याम' में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) द्वन्द्व समास

(iii) कर्मधारय समास (iv) द्विगु समास

(ब) 'चतुरानन' में समास है– 1

(i) बहुव्रीहि समास (ii) कर्मधारय समास

(iii) द्विगु समास (iv) तत्पुरुष समास

प्रश्न 13. (क) 'पठतम्' अथवा 'नयतम्' रूप किस धातु के किस लकार, किस पुरुष तथा किस वचन का रूप है ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'नाम्ने' रूप है नाम शब्द का– 1

(i) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iii) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(iv) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ब) 'रामस्य' रूप है, 'राम' शब्द का– 1

(i) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iii) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
(iv) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'पठितव्यम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) तव्यत् प्रत्यय (ii) अनीयर प्रत्यय
(iii) क्त प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(ब) 'दानीयम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) क्त प्रत्यय (ii) क्त्वा प्रत्यय
(iii) अनीयर प्रत्यय (iv) तव्यत् प्रत्यय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) माता <u>पुत्रेण</u> सह गच्छति।
(ii) <u>पितृभ्यः</u> स्वधा।
(iii) <u>पृष्ठेन</u> कुब्जा।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।
(ii) राम का भाई लक्ष्मण है।
(iii) छात्रों में मोहन श्रेष्ठ है।
(iv) माता पुत्र को लड्डू देती है।